Nai Dunia (Indore), 23rd February 2022, Front Page- plus 06

आइआइटी इंदौर व आरआरकैट मिलकर करेंगे शोध कार्य

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र (आरआरकैट) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर ने हाल ही में कुछ समझौते किए हैं। इसके तहत दोनों संस्थान मिलकर शोध कार्य करेंगे। आइआइटी इंदौर पहले ही आइआइएम इंदौर के साथ मिलकर डाटा साइंस का कोर्स संचालित कर रहा है।

आरआरकैट के स्थापना दिवस पर संस्थान के निदेशक डा. शंकर वी नाखे ने इस बात के संकेत दिए कि अगले वर्षों में वे आइआइटी के साथ नए विषयों पर काम करेंगे। इलेक्ट्रानिक्स, बायोमेडिकल और ऊर्जा के विभिन्न माध्यमों पर काम करने के लिए दोनों संस्थानों के पास विशेषज्ञ मौजूद हैं। खासकर आरआरकैट कुछ वर्षों से मेडिकल डिवाइस बनाने पर काफी जोर दे रहा है और आइआइटी इंदौर का भी कोरोना महामारी के दौरान मेडिकल क्षेत्र में अच्छा योगदान रहा है। इस कारण दोनों संस्थान इस क्षेत्र में मिलकर काम कर सकते हैं।

तैयारी

- दोनों संस्थानों के बीच कुछ समझौते हो चुके हैं, भविष्य में कुछ और होंगे
- आरआरकैट के पास 12 तकनीकें हैं जिन्हें उद्योगों को हस्तांतरित करना है

आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी भी कह चुके हैं कि जब वे आइआइटी मुंबई में प्रोफेसर थे, तब भी वे आरआरकैट से जुड़े हुए थे। यहां की मदद से कई शोध कार्यों को गति दी है। निदेशक नियुक्त होने के समय भी प्रो. जोशी ने कहा था कि इंदौर में आरआरकैट जैसा संस्थान होना गर्व की बात है। दोनों संस्थान अपने ज्यादातर उत्पादों को बाजार में लाने लगे हैं। आरआरकैट ने सोमवार को अपनी तीन महत्वपूर्ण तकनीकें उद्योगों को हस्तांतरित कर दीं। उसके पास अभी भी ऐसी 12 तकनीक हैं, जिन्हें भविष्य में उद्योगों को हस्तांतरित किया जाएगा।